फिर लटकी भाजपा जिला कार्यकारिणी

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

राजनीति
■ हरिद्वार जिले में दो गुटों में बंटी पार्टी

रुड़की। भाजपा जनपद की कार्यकारिणी एक बार फिर से अटक गई। अब कार्यकारिणी की घोषणा दिसम्बर माह के अंतिम सप्ताह में होगी। अब सवाल यह उठता है कि हरिद्वार में ऐसा क्या है जो पूरे प्रदेश के पदाधिकारियों के पसीने यहां के संगठन की टीम तैयार करने में छूटते हैं। ऐसा पहली बार नहीं है कि जब यहां की टीम में इतनी देरी हुई हो इससे पहले भी पूरे प्रदेश के जिलाध्यक्ष घोषित किये जाने के करीब एक माह बाद हरिद्वार की घोषणा हो पाई थी। वहीं अब जब पूरे प्रदेश के सभी जिलों की टीम पूरी तरह से अपने काम में जुटी है वहीं जिला हरिद्वार में अभी पदाधिकारियों के नाम पर मंथन चल रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह गुटबाजी मानी जाती है। जिले की भाजपा दो गुटों में बंटी हुई है और दोनों ही गुट संगठन में अपना वर्चस्व चाहते हैं।

इसके साथ ही कार्यकारिणी में जगह बनाने की इच्छा रखने वाले कुछ लोगों की पकड़ प्रदेश हाईकमान से लेकर मुख्यमंत्री और मंत्रियों तक भी है तो वहां से भी सिफारिशों का दौर जारी है। अब इन सब में कौन कामयाब होता है यह तो घोषित टीम ही बताएगी लेकिन इतना तय है कि 17 सितम्बर को होने वाली प्रदेश कार्यसमिति में जिले के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों और पदाधिकारियों को छोड़ दिया जाये तो जिले का प्रतिनिधित्व अकेले जिलाध्यक्ष ही करेंगे और टीम भी कार्यसमिति के बाद ही घोषित होगी।

नगर निगम के खिलाफ खोला मोर्चा, प्रदर्शन

देहरादून। नेशविला रोड के स्थानीय नागरिकों और स्थानीय दुकानदार समिति ने क्षेत्र में सफाई न होने से नाराज होकर रविवार को नगर निगम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस मुहिम में स्कूली छात्रों ने भी अपना सहयोग दिया। रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता उदयवीर सिंह पंवार की अगुवाई में लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों का कहना था कि इलाके में सफाई व्यवस्था ढर्रे पर नहीं आ रही है। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कूड़े कचरे का उठान सही नहीं किया जाता है तो क्षेत्रवासी मजबूरन नगर निगम का घेराव करने को मजबूर हो जाएंगे।

जानलेवा हो सकता है ब्रिज पर सेल्फी लेना

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

खतरा
■ युवा ही नहीं बुजुर्ग भी नहीं हैं पीछे

रुड़की। सेल्फी लेते समय हादसे की खबर आये दिन सामने आती रहती है। नये-नये व जोखिम भरी जगहों पर पहुंचकर लोगों में सेल्फी लेने का शौक बढ़ता जा रहा है। इस शौक में छोटे-बड़े सब शामिल हैं, युवाओं के शौक में बुजुर्ग भी पीछे नहीं हैं। सेल्फी लेने का शौक सिर चढ़कर बोल रहा है। नगर निगम के समीप बने नये ब्रिज पर सेल्फी लेने का नजारा आये दिन बढ़ रहा है, जो किसी हादसे को जन्म दे सकता है। लोग यहां रेलिंग पर चढ़कर रंग बिरंगी लाइटों के बीच रात व दिन के समय सेल्फी लेते देखे जा सकते हैं।

नगर के बीच से गुजर रही गंगनहर पर यूं तो पहले से कई पुल मौजूद हैं जो नगर की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। गंगनहर पर बने पुल की दोनों ओर शेर का नजारा अलग ही है। यहां पहले से लोग सेल्फी लेते रहे हैं लेकिन यहां सेल्फी उतना जोखिम भरा नहीं है जितना कि अब नगर निगम के समीप बने रंग-बिरंगी लाइटों से सजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय गंगा ब्रिज पर है। रंग-बिरंगी लाइटों से गंगा ब्रिज की छटा शाम के समय देखते ही बनती है। नजारा इतना खुशनुमा होता है कि इस नये दौर के युवाओं के साथ-साथ बुजुर्ग भी सेल्फी लेने में पीछे नहीं रहते हैं। हालात यह है कि इस सुंदर नजारे को देख यहां गुजर रहे लोगों के अलावा इस खुशनुमा नजारे को देखने आये युवक-युवतियां, बुजुर्ग ब्रिज की ग्रिल पर चढ़कर सेल्फी लेते हैं जो बड़ा जोखिम भरा है। ऐसे में सेल्फी लेते समय कोई बड़ा हादसा हो जाये इसकी संभावना हमेशा बनी रहती है। यहां अभी तक चेतावनी बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। रोकने के लिए तो किसी का खड़ा होना ही संभव नहीं है। हालात यही रहे तो किसी समय कोई बड़ी घटना घट जाये इससे इंकार नहीं किया जा सकता है।

अनुकरणीय/ 4 किलोमीटर कम हो जाएगी बुल्लावाला से डोईवाला की दूरी

ग्रामीणों ने खुद बना डाला अस्थाई पुल

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

डोईवाला। सुसवा नदी पर जब कोई भी सरकार पुल नहीं बना पाई तो लोगों ने खुद अपने स्तर से अस्थाई पुल का निर्माण कर डाला।

जो काम सरकार और सरकारी मशीनरी को करना चाहिए था वो काम ग्रामीणों ने खुद ही कर लिया है। ग्रामीणों ने सुसवा नदी पर सत्तीवाला-बुल्लावाला मार्ग पर बीएसएफ के पास दो बड़े पाइपों की मदद से सुसवा नदी में बह रहे गंदे पानी को इन पाइपों में डालकर अस्थाई पुल का निर्माण किया है। इस कार्य में कई ग्रामीणों ने सहयोग करते हुए सुसवा नदी पर जेसीबी की मदद से अस्थाई पुल का निर्माण किया है। इस पुल के बनने से बुल्लावाला के लोगों को विशेष लाभ मिलेगा और बुल्लावाला से डोईवाला की दूरी भी लगभग 4 किलोमीटर कम हो जाएगी।

सुसवा नदी पर अस्थाई पुल बनाते ग्रामीण

बुल्लावाला से देहरादून जाने वाले लोगों को भी लगभग 6 किलोमीटर दूरी कम तय करनी पड़ेगी। पहले बुल्लावाला के ग्रामीणों को कुडकावाला से प्रेमनगर होते हुए डोईवाला या देहरादून जाना पड़ता था जिसमें काफी अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य रणजोध सिंह ने कहा कि सुसवा पर अस्थाई पुल बनने से सैकड़ों ग्रामीणों को लाभ मिलेगा और डोईवाला या देहरादून जाने के लिए कम दूरी तय करनी पड़ेगी। सामाजिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश कांबोज ने कहा कि जब सरकार ने ग्रामीणों की समस्या पर ध्यान नहीं दिया तो ग्रामीणों ने अपनी समस्या खुद दूर करने का बीड़ा उठाया। मनोज कांबोज और जावेद ने कहा कि पुल बनने से एक बड़ी समस्या का समाधान हुआ है। मौके पर प्रधान परविंदर सिंह, मनीष कांबोज, अजय शर्मा, मुहम्मद मोहसिन, फिरोज, राकेश, शहजाद अली, विजय कांबोज, जसविंदर, नाजिर अहमद, राजेंद्र तड़ियाल, मगन बिष्ट, अश्वनी थापा, बसारत अली आदि उपस्थित रहे।

एक ने शिलान्यास किया, दूसरे ने भुलाया

डोईवाला। विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले डोईवाला में सत्तीवाला-बुल्लावाला मार्ग पर विधायक हीरा सिंह बिष्ट ने पुल बनाने के लिए शिलान्यास किया था। लेकिन पुल की कहानी आगे बढ़ती उससे पहले ही उनकी सरकार चली गई और बिष्ट चुनाव हार गए। उसके बाद किसी ने शिलान्यास के पत्थर को भी वहां से उखाड़ कर फेंक दिया। डबल इंजन की नई सरकार बनी तो ग्रामीणों को काफी उम्मीद थी। लेकिन क्षेत्रीय विधायक और सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भी इस तरफ अब तक ध्यान नहीं दिया जिस कारण लोगों ने खुद ही अस्थाई पुल बनाते हुए सरकार को आइना दिखाया है।

आसन नदी को बचाने का लिया संकल्प

डोईवाला। आईएसबीटी से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित आसन नदी को बचाने का संकल्प लिया गया। दीन दयाल सेवा प्रतिष्ठान की प्रदेश अध्यक्ष शुभा वर्मा ने कहा कि नदियों की पवित्रता बचाए बगैर स्वच्छ भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। गंदे नाले और कूड़ा-करकट से नदियां जहरीली होती जा रही हैं जिससे कई खतरे पैदा हो गए हैं। प्रांत कार्यवाहिका डॉ. अंजलि वर्मा ने कहा कि नदियों को बचाना सभी का दायित्व होना चाहिए। पूर्व पंचायत सदस्य राजेश ने कहा कि इसी दिशा में प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर शिवानी कक्कड़, नम्रता, रितिका गोयल, शिवरानी, रजनी नेगी, माधुरी उपाध्याय, प्रगति शर्मा, सुधा शर्मा, प्रदीप वर्मा, कुलदीप थपलियाल, मयंक गौड़, कुलदीप थपलियाल, सुमन बुटोला, प्रधान सविता देवी आदि उपस्थित रहे।

समस्याओं को लेकर आंदोलनकारियों ने निकाला मशाल जुलूस

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

श्रीनगर गढ़वाल। क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर पिछले 179 दिनों से आंदोलित आंदोलनकारियों ने रविवार को मशालों के साथ श्रीनगर के गोला पार्क में प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे और प्रगतिशील जन मंच के अध्यक्ष अनिल स्वामी ने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार ने यदि जनआंदोलन की उपेक्षा जारी रखी तो वह आंदोलन और तेज करने को विवश होंगे। क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर आंदोलनकारियों ने मशालों के साथ श्रीनगर गोला पार्क में जमकर प्रदर्शन किया। संयुक्त अस्पताल श्रीनगर में डाक्टरों की तैनाती, सुमाड़ी में एनआईटी के स्थायी परिसर का निर्माण करने और श्रीनगर शहर के लिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति को लेकर पाइप लाइन योजना को भी शीघ्र पूरा करने की मांग की गई। सरकार की उपेक्षा के चलते आंदोलनकारी आंदोलन को और तेज करने के लिए विवश होंगे।

क्षेत्रवासियों ने किया विधायक कर्णवाल का स्वागत

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

रुड़की। अभी तक विधानसभा के कार्यकाल में जन समस्याओं को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष द्वारा उठाये गये 1058 सवालों में 500 सवाल अकेले भाजपा के झबरेड़ा विधायक देशराज कर्णवाल द्वारा उठाये जाने को लेकर आज क्षेत्रवासियों ने रुड़की पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक देशराज कर्णवाल ने कहा कि वह हमेशा जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं से अवगत रहे हैं, इसीलिए वह विधानसभा में जन समस्याओं के सवाल उठाते हैं और आगे भी उठाते रहेंगे। यहां मालवीय चौक स्थित स्वागत समारोह में पहुंचे झबरेड़ा विधायक कर्णवाल ने कहा कि जन समस्याओं को लेकर उन्होंने सैंकड़ों याचिकाएं विधानसभा में दाखिल की हैं, 500 के करीब प्रश्न उठाये हैं। कहा कि जन समस्याओं को लेकर वह सवालों के साथ-साथ उनके निराकरण के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं, जो चुनाव के दौरान उन्होंने जनता के बीच कहा था उसे पूरा करने के लिए कटिबद्ध हैं। इस अवसर पर वक्ताओं ने उन्हें विधानसभा में जनसमस्या को उठाने को लेकर बधाई दी।

वक्ताओं ने कहा कि झबरेड़ा क्षेत्र से पहले भी विधायक रहे हैं लेकिन कभी जन समस्या को लेकर गंभीर दिखाई नहीं दिये। विधानसभा में सवाल उठाने का तो कोई रिकार्ड ही नहीं है। स्वागत करने वालों में अनिल शर्मा, गौरव गोयल, विपिन गर्ग, सुरेन्द्र कश्यप, सुबोध शर्मा आदि शामिल रहे।

एक माह बाद भी लीकेज का पता नहीं लगा पाया जल संस्थान

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

मंगलौर। जल संस्थान एक माह बाद भी लीकेज का पता नहीं लगा पाया है। इसके चलते अब जल संस्थान पाइप लाइन को ही बदलने जा रहा है। इसके लिए सड़क को खोदा जा रहा है। खोदी गई मिट्टी की वजह से जाम लग रहा है। मंगलौर क्षेत्र में करीब एक माह पूर्व मोबाइल कंपनी की ओर से लाइन बिछाने के लिए लंढौरा रोड पर खुदाई की गई थी। इस दौरान पाइप लाइन कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गई। इसकी वजह से पूरे मार्ग में पानी भर गया और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यहां तक कि लोगों के घरों तक पानी तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसके बाद जल संस्थान ने एक गड्ढा खोदकर लीकेज का पता लगाने की कोशिश की। जल संस्थान ने दावा किया कि लीकेज को बंद कर दिया गया है। इसके बाद इस गड्ढे को भी मिट्टी से भर दिया गया। अब फिर से पानी निकलना शुरू हो गया है। इस कारण लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। अब जल संस्थान क्षतिग्रस्त हो चुकी करीब 100 फीट पाइप को बदलने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सड़क की खुदाई शुरू कर दी गयी है। सड़क खोदने के दौरान निकाली गई मिट्टी की वजह से अब लंढौरा रोड पर जाम लगना शुरू हो गया है।

यूपी के कैबिनेट मंत्री सैनी ने टेका दरगाह में माथा

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

कलियर। दरगाह साबिर-ए-पाक की जियारत करने आज उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनुराग सैनी पहुंचे। यहां पूरी श्रद्धा के साथ उन्होंने दरगाह साबिर-ए-पाक में मत्था टेकने के बाद चादरपोशी व गुलपोशी की। उन्होंने मुल्क में अमन शांति की दुआ मांगी। उन्होंने कहा कि दरगाह साबिर-ए-पाक में उनकी आस्था है। यहां आने वाले लोगों की मन्नतें पूरी होती हैं।

यहां दरगाह साबिर-ए-पाक में हाजिरी देने पहुंचे यूपी के काबीना मंत्री अनुराग सैनी ने जियारत के बाद कहा कि दरगाह साबिर-ए-पाक में देश-विदेश के लाखों लोगों की आस्था है। यहां लोग अपनी मन्नतें लेकर पहुंचते है, जो मन्नत दिल से मांगी जाती है वह पूरी होती है। उन्होंने कहा कि उनकी आस्था उन्हें यहां लेकर पहुंची है। उन्होंने कहा कि यहां पहुंचकर मन्नतें मांगने के साथ ही मुल्क में अमन शांति की दुआ मांगी है, यहां मांगी गयी दुआ खाली नहीं जाती है। इस मौके पर दरगाह समिति के सदस्य शायर अफजल मंगलौरी, अब्दुल वहाब सैफी, मो. हसीन, शाहनजर, राजपाल आदि मौजूद रहे।

सत्संग से होता है दुखों का निदान

देहरादून। संत निरंकारी मंडल के तत्वावधान में आयोजित साप्ताहिक सत्संग में ज्ञान प्रचारक धर्मेन्द्र सिंह पयाल ने कहा कि परमात्मा कृपा निधान है, सब दुखों को हरने वाला है। हरिद्वार बाईपास स्थित निरंकारी भवन में आयोजित सत्संग में उन्होंने कहा कि हर इंसान भौतिक पदार्थों के लिए अपने मस्तिष्क पूरा उपयोग करता है और वह उन पदार्थों को प्राप्त कर लेता है। लेकिन परमात्मा को प्राप्त करने के लिए अपनी सोच विचार से हासिल नहीं कर पाता। सद्गुरु हमारे हृदय में दया, करुणा, प्रेम, नम्रता, मिलवर्तन के दिव्य गुणों को प्रकट करने की विधि प्रदान करता है।

किसानों ने बनाया नया संगठन

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

■ शीघ्र लिया जायेगा कार्यकारिणी और संरक्षक मंडल की घोषणा करने का निर्णय

रुड़की। क्षेत्र के किसानों ने एक नया संगठन बनाकर स्थानीय किसानों की परेशानियों पर चर्चा की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि वह किसानों की हर समस्या को सरकार तक पहुंचाएंगे और उसके समाधान की लड़ाई लड़ेंगे। शीघ्र ही कार्यकारिणी और संरक्षक मंडल की घोषणा करने का निर्णय लिया गया। रुड़की के प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में किसानों ने मिलकर सर्वसम्मति से किसान संगठन का नाम किसान मजदूर संगठन बनाया। इस मौके पर महक सिंह सैनी ने कहा कि राज्य गठन के बाद से ही किसानों का उत्पीड़न हो रहा है। हर साल पेराई सत्र में चीनी मिलें किसानों का शोषण करती हैं। शुगर मिलों ने किसानों का अभी तक बकाया भुगतान नहीं किया है। कहा कि किसान मजदूर संगठन किसानों के हक की लड़ाई लड़ेगा। स्थानीय किसानों के मुद्दे और अन्य समस्याओं को मिलकर हल किया जायेगा। इस मौके पर राकेश अग्रवाल, अतर सिंह, अजय शर्मा, प्रताप सिंह, आशीष, नवीन, संजीव, जोनी आदि थे।

किसानों ने किया हाईवे के लिए भूमि देने से इन्कार

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

■ मुआवजा देने में भेदभाव का लगाया आरोप

रुड़की। राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए अधिग्रहण की गयी भूमि के मुआवजे को लेकर रसूलपुर गांव के किसान करीब एक महीने से धरने पर बैठे हुए हैं। किसानों ने राजमार्ग चौड़ीकरण के लिए जमीन देने से इंकार कर दिया है। किसानों ने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन ने मुआवजा देने में भेदभाव किया है इसलिए किसान जब तक उचित मुआवजा नहीं मिल जाता है, तब तक जमीन नहीं देंगे।

दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण और बाईपास के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से भूमि का अधिग्रहण किया गया है। अधिग्रहण के खिलाफ रसूलपुर के किसानों ने मोर्चा खोल रखा है। किसानों का आरोप है कि शासन-प्रशासन की ओर से मुआवजे में गड़बड़ी की गई है। सलेमपुर के किसानों को तो 73 लाख रुपये प्रति बीघा के हिसाब से मुआवजा मिला है, जबकि उसके पास ही रसूलपुर के किसानों की अधिग्रहित भूमि का मुआवजा 12 लाख रुपये दिया गया है, जो कि नाकाफी है। किसानों ने शनिवार को ऐलान किया कि वह किसी भी सूरत में अपनी जमीन पर कब्जा होने नहीं देंगे। सरकार को चाहिए कि वह मुआवजे में किए गए भेदभाव को दूर करे। इस मौके पर राजकुमार, मुजाहिर, शमीम, तमरेज, महबूब, गुफरान, नवाब, मुर्तजा, हाजी इकबाल, कमल भास्कर, राजपाल, रामपाल सिंह, सतीश, राजेश, किशन, कामिल आदि मौजूद रहे।

ढीली जांच/ फाइलों में दम तोड़ चुके हैं कई मामले

हत्याओं का खुलासा करने में पुलिस नाकाम

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

रुड़की। शहर और देहात पुलिस हत्याओं के कई राज का खुलासा करने में विफल साबित हो रही है। दोहरे हत्याकांड समेत हत्या के कई मामले ठंडे बस्ते में चले गये हैं। पुलिस भी नये मामलों का बहाना बनाकर पुरानी घटनाओं के खुलासे में ज्यादा दिलचस्पी नहीं ले रही है।

हत्या के कुछ मामलों में तो सीबीसीआईडी भी फेल हो चुकी है। वहीं, पीड़ित परिवार के लोग हत्याओं के राज से पर्दा उठाने के लिए पुलिस अधिकारियों के चक्कर काट काटकर थक चुके हैं। हत्या के कई मामलों में पुलिस का नेटवर्क फेल हुआ है। हत्या के कई मामले पुलिस फाइलों में दम तोड़ चुके हैं। कुछ

मामलों की तो नये सिरे से भी पुलिस अधिकारियों ने जांच कराई, लेकिन नतीजा आज तक नहीं निकल पाया। हत्या से जुड़े तमाम राज दफन हो चुके हैं। वहीं परिजन इंसाफ के लिए बार-बार थाना और कोतवाली के चक्कर काटकर थक चुके हैं।

पुलिस भी थाने आने वाले परिजनों को जांच का हवाला देकर टरका देती है। भगवानपुर थाना क्षेत्र के डाडा पट्टी गांव निवासी साधुराम और उसकी पत्नी की 12 मई 2012 को सोते समय घर के अंदर हत्या कर दी गई थी। यह मामला विधानसभा में भी उठा था। इसकी सीबीसीआईडी जांच भी हुई, लेकिन हत्यारोपी आज तक नहीं पकड़े गए। 2014 में जौरासी गांव में आठ साल की काजल की हत्या कर दी गई थी। आज तक उसकी हत्या का राज नहीं खुल पाया है। 8 फरवरी 2015 को रुड़की की साउथ सिविल लाइंस कालोनी में लूटपाट के दौरान अंकुर की हत्या कर दी गई थी। इस मामले की दो बार जांच हो चुकी है, लेकिन अभी तक नतीजा नहीं निकल पाया है। 2015 में खेड़ी शिकोहपुर गांव में दोहरा हत्याकांड हुआ था। इस हत्याकांड के आरोपियों तक अभी पुलिस नहीं पहुंच पाई है।

सुनील राठी व चीनू पंडित गैंग की कुंडली खंगाल रही पुलिस

■ कारोबारियों से रंगदारी मांगने में जुटा है गैंग

रुड़की। जेल में बंद कुख्यात सुनील राठी और चीनू पंडित गैंग के पूरे कुनबे की पुलिस ने कुंडली बनाई है। दोनों गैंग में कुल 47 गुर्गों की पुलिस ने एक सूची तैयार की है। इनमें से अधिकांश आरोपी इस समय जेल में बंद हैं जबकि कई आरोपी इस समय जमानत पर हैं, तो कई फरार चल रहे हैं। पुलिस अब गैंग में शामिल गुर्गों की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। शहर में पिछले कुछ समय से आपराधिक वारदातों में बहुत बढ़ोतरी हुई है। कभी शहर के कारोबारियों तो कभी डॉक्टरों से फोन पर रंगदारी मांगी जा रही है। इस समय रुड़की में कारोबारियों को रंगदारी के लिये धमकाने के मामले में बागपत जेल में बंद सुनील राठी का नाम पुलिस की हिट लिस्ट में है। कुख्यात सुनील राठी का गैंग काफी बड़ा है जिसके चलते इस पूरे गैंग पर पुलिस के लिए लगाम कसना मुश्किल हो रहा है। वहीं रुड़की जेल में बंद कुख्यात चीनू पंडित की गतिविधियां भी किसी से छिपी नहीं है। 20 नवंबर को रुड़की रामनगर की कोर्ट में देवपाल राणा की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद से पुलिस जेल में बंद बदमाशों के कुनबे को खंगालने में लगी है। पुलिस ने इन बदमाशों पर शिकंजा कसने के लिए इनके गैंग में शामिल आरोपियों की सूची तैयार की है। पुलिस ने सुनील राठी के 34 गुर्गों को चिह्नित किया है।